Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding renovation of historical temples and tourist places in Gaya and Aurangabad districts of Bihar.

-

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद)ः मेरे संसदीय क्षेत्र के दो जिले गया और औरंगाबाद में कई प्राचीन मंदिर और पर्यटक स्थल हैं। इनमें से एक कोचेश्वरनाथ मंदिर को वर्ष 1996 में भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा राष्ट्रीय धरोहर में शामिल किया गया और विभाग द्वारा इस मंदिर के विकास के लिए कई पत्र जिला पदाधिकारी को भेजे गए लेकिन संबंधित अधिकारी द्वारा आज तक केन्द्र सरकार के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित नहीं किया गया परिणामतः उक्त मंदिर की स्थिति जर्जर है। यदि केन्द्र सरकार के विभाग द्वारा उक्त स्थलों के और पर्यटक स्थलों को अंगीकार किया जाता है, तो केन्द्र सरकार द्वारा उक्त स्थलों के विकास के लिए प्रत्यक्ष रूप से आवश्यक कार्रवाई नहीं करने के कारण ऐसे स्थलों की स्थिति जर्जर है।

मैंने औरंगाबाद जिला के देव प्रखंड के ईलाकाल में निर्मित प्राचीन सूर्य मंदिर के विकास के लिए आग्रह किया था। इसके साथ-साथ बैजुधाम, बांकेधाम, केशपाधाम, उमेगश्वरी माता मंदिर, गजनाधाम, दूधेश्वर मंदिर, सत्यचंडी माता मंदिर की जर्जर स्थिति के संबंध में उल्लेख किया गया था, परन्तु केन्द्र सरकार के द्वारा हमें सूचित किया गया कि मामला राज्य सरकार से संबंधित है। देव सूर्य मंदिर में प्रतिवर्ष करीब 25 लाख श्रद्धालु देश के विभिन्न हिस्सों से आते हैं, परन्तु उक्त स्थल पर मूलभूत सुविधाएँ भी उपलब्ध नहीं है।

अतः आग्रह है कि ऐसे क्षेत्रों के विकास के लिए केन्द्र सरकार द्वारा आवश्यक राशि की स्वीकृति प्रदान की जाय अथवा ऐसे क्षेत्रों के विकास के लिए राज्य सरकारों को उत्तरदायी बनाने के लिए समुचित कानून का निर्माण कराने का प्रावधान किया जाय।